LIBRARY

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

S.No.-01 (September 2023)

दैनिक भास्कर (सिटी भास्कर) Page – 02 26/09/2023

गणपति सेलिब्रेशन • शहर के कॉलेजों में गणेश स्थापना, स्टूडेंट्स संभाल रहे पूरी व्यवस्था

स्टूडेंट्स गणेश जी से सीख रहे मैनेजमेंट, प्लानिंग, टाइम लिमिट, डेकोरम और रिस्पॉन्सिबिलिटी

सिटी रिपोर्टर| शहर के लगभग सभी कॉलेजों में इन दिनों गणेश चतुर्थी का सेलिब्रेशन चल रहा है। खास बात यह है कि इस रिलीजियस फेस्टिवल के लिए कॉलेजों का अपना कोई फंड नहीं होता, ऐसे में यह सारी एक्टिविटी पूरी तरह से स्टूडेंट्स ड्रिवेन होती हैं। फेस्टिवल के लिए करीब एक महीने पहले फंड जुटाना, इसकी प्लानिंग, एग्जीक्यूशन, कल्चरल एक्टिविटीज, प्रसाद मेकिंग से लेकर फेस्टिवल के दिन तक सारी चीजें समय पर मैनेज होना, सबकुछ स्टूडेंट्स की ही जिम्मेदारी होती है।

पहले ही डिवाइड कर दी थी टीम

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में गणेश उत्सव के एग्जीक्यूशन के लिए 20 स्टूडेंट्स की कोर टीम है। इसमें 150 स्टूडेंट्स बतौर वॉलेंटियर्स शामिल होते हैं। इस बार ईवेंट हेड राम साखरकर हैं। टीम मेम्बर कपिल देशमुख ने बताया- फेस्टिवल के लिए फैकल्टी और स्टूडेंट्स ने 1.5 लाख रुपए जुटाए। लाइट एंड डेकोरेशन, कल्चरल परफॉरमेंस, मूर्ति बनाना जैसे कामों के लिए टीम्स को डिवाइड किया। हम मिनिमम और मैक्सिमम बजट मिलने की अलग-अलग प्लानिंग लेकर चलते हैं, ताकि ईवेंट की रौनक में कोई कमी न हो।

ओवरनाइट जागकर बनाई मूर्ति, सुबह 4 बजे उठकर बनाते हैं मोदक...

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) में कम्युनिकेशन डिजाइन में थर्ड ईयर की स्टूडेंट रिद्धी सिंह ने बताया- फेस्टिवल से हम फंड का सही इस्तेमाल, रिस्पॉन्सिबिलिटी लेना, टाइम लिमिट में काम पूरा करना, डेकोरम और कल्चरल वैल्यूज सीखते हैं। मूर्ति बनाने के साथ हमने ओवर नाइट तक काम किया। कल्चरल परफॉरमेंस, पूजा हम ही करते हैं। प्रसाद बनाने के लिए कई बार सुबह 4 बजे उठकर मेस पहुंच जाते हैं।

लॉ के स्टूडेंट् सीख रहे प्लानिंग

नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनीवर्सिटी (एनएलआईयू) में स्टूडेंट्स ने पूरे 11 दिनों के लिए गणपति स्थापना की है। कोर टीम मेम्बर अनुपम मिश्रा बताते हैं- फेस्टिवल की प्लानिंग हमने सिर्फ 2 दिन पहले ही की थी। कैंपस के शिव मंदिर में भी गणेश जी की स्थापना की है। सभी स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेम्बर्स ने 14500 रुपए का फंड कलेक्ट किया। 3 लोगों की कोर टीम बनी। इसमें एक की जिम्मेदारी पूजा-पाठ से जुड़ी सामग्री और पंडित जी की उपलब्धता की थी, दूसरी टीम मूर्ति और अन्य सामग्रियों के लिए बनी। तीसरी टीम के पास डेकोरेशन की जिम्मेदारी थी। रोज शाम 60 स्टूडेंट्स पूजा-आरती में हिस्सा लेते हैं।